बड़े फैसले की घड़ी, सात सीटों पर 123 प्रत्याशियों की किस्मत दांव पर

नईदुनिया, रायपुर

छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ में तीसरे चरण की सात लोकसभा सीटों के लिए मंगलवार को एक करोड़ 27 लाख 13 हजार मतदाता 123 प्रत्याशियों की किस्मत तय करेंगे। इस चरण में रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, रायगढ़, कोरबा, जांजगीर-चांपा व सरगुजा सीटों पर मतदान के लिए 15 हजार 408 बूथ बनाए गए हैं। मतदान सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक होगा। सभी पोलिंग पार्टियां बूथों पर पहुंच चुकी हैं। राज्य में पहले व दूसरे चरण में चार सीटों पर मतदान हो चुका है। तीसरे चरण के मतदान के साथ ही राज्य की सभी 11 सीटों पर चुनाव संपन्न हो जाएंगे। फैसले के लिए 23 मई तक इंतजार करना होगा।

किस सीट पर कितने प्रत्याशी : रायपुर और बिलासपुर में 25-25, रायगढ़ में 14, कोरबा में 13, जांजगीर-चांपा में 15, दुर्ग में 21 और सरगुजा में 10 प्रत्याशी मैदान में हैं। मतदान के लिए रायपुर में 2343, बिलासपुर में 2221, रायगढ़ में 2327, कोरबा में 2008, जांजगीर-चांपा में 2173, दुर्ग में 2183 एवं सरगुजा में 2153 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। चुनाव संपन्न कराने के लिए 61 हजार 920 मतदान अधिकारियों-कर्मचारियों की तैनाती की गई। सोमवार को सभी जिलों से मतदान दल को रवाना कर दिया गया है।

- तीसरे चरण में प्रदेश के एक करोड़ 27 लाख 13 हजार मतदाता डालेंगे वोट
- 15 हजार 408 बूथों पर होगा मतदान

सरगुजा के दो बूथों पर सुबह सात से दोपहर तीन तक मतदान : सरगुजा लोकसभा के नक्सल प्रभावित क्षेत्र सामरी विधानसभा क्षेत्र के दो बूथों मतदान केंद्र 124 चुन्नचुना और बूथ क्रमांक 125 पुन्नाग में वोट सुबह सात बजे से दोपहर तीन बजे तक डाला जाना है। इन दोनों बूथों की भौगोलिक दशा इस तरह है कि बिना झारखंड की सीमा में गए पहुंचा नहीं जा सकता है। इस बूथ के दायरे में आने वाले गांवों के लोगों के सुरक्षा और सुविधा को देखते हुए इसे बंदरचुवा सीआरपीएफ कैंप में शिफ्ट कर दिया गया है। यही एक इलाका ऐसा है, जहां ड्रोन के जरिये नक्सलियों पर नजर रखी जाएगी।

कहां कितने मतदाता

रायपुर	21,11,104
दुर्ग	19,38, 319
बिलासपुर	18,75, 904
रायगढ़	17,31,655
कोरबा	15,7,779
जांजगीर-चांपा	18,95,232
सरगुजा	16, 53,283

250 किमी. मानव शृंखला बना झारखंड ने रचा इतिहास

दैनिक जागरण के आह्वान पर सड़कों पर उमड़े करीब पांच लाख लोग, बोले– सभी चुनें, सही चुनें

पहला मुद्दा, पहला वोट

राज्य ब्यूरो, रांची

दैनिक जागरण के अभियान पहला मुद्दा, पहला वोट के तहत सोमवार को झारखंड में 250 किलोमीटर लंबी मानव शृंखला बनाई गई। इसमें बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे और नागरिक उत्साहपूर्वक शामिल हुए। रांची में मानव शृंखला में उमड़ा जनसमूह। जागरण

लोकतंत्र के उत्सव में सभी मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए दैनिक जागरण के अभियान पहला मुद्दा, पहला वोट ने सोमवार को झारखंड में इतिहास रच दिया। एक साथ सभी 24 जिलों में सुबह सात से नौ बजे के बीच 10-10 किलोमीटर की मानव शृंखला बनाई गई, जिसमें करीब पांच लाख लोग शामिल हुए। प्रदेश के करीब दो हजार स्कूलों के बच्चे भी इसमें उत्साह से शामिल हुए और नारा बुलंद किया, देश में मजबूत सरकार के लिए सभी चुनें, सही चुनें। अभियान में राज्य निर्वाचन आयोग भी जागरण का हमकदम था।

दैनिक जागरण ने 26 मार्च से झारखंड में पहला मुद्दा, पहला वोट अभियान छेड़ रखा है। इसके तहत पहले चरण में कॉलेजों, विश्वविद्यालयों सहित उन सभी जगह पहुंचने की कोशिश की गई, जहां युवा मतदाता हों। इसी कड़ी में फिर वोट यात्रा शुरू हुई। लगातार आठ दिन हर जिले में इसका आयोजन हुआ और सोमवार को झारखंड के लोगों ने अपना नाम इतिहास में दर्ज करवा लिया। रांची, धनबाद, जमशेदपुर, बोकारो, हजारीबाग, लोहरदगा, रामगढ़, पलामू समेत हर जिले में बच्चों सहित हर वर्ग के लोगों में इस शृंखला को लेकर जबरदस्त उत्साह था। सुबह साढ़े छह बजे से ही प्रदेशभर में लोग जिलों में निर्धारित किए गए रूट पर एकत्र होने लगे थे। सभी की जुबान पर एक ही नारा गूंज रहा था- लोकतंत्र को मजबूत बनाना है, सभी को मतदान स्थल तक जाना है। हर जिले में लंबी दूरी के बावजूद युवाओं और छात्रों का उत्साह देखने लायक था। बीच-बीच में भारत माता की जय जैसे नारे भी लगते रहे।

रांची के मोरहाबादी मैदान में गांधी प्रतिमा के समीप मुख्य कार्यक्रम में चुनाव आयोग के अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. मनीष रंजन ने कहा कि सभी अपने मताधिकार को लेकर संवेदनशील बनें। उन्होंने अभियान की प्रशंसा करते हुए कहा कि बेहतर मतदान के प्रतिशत से हम बेहतर जनप्रतिनिधि का चयन कर सकते हैं। समाज की उन्नति के लिए यह आवश्यक है। मतदाता जागरूकता अभियान से लोगों में मतदान की प्रवृत्ति बढ़ी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि भयमुक्त और निर्भीक होकर मतदान करें और अपने पसंदीदा जनप्रतिनिधि का चयन करें। मतदान का बेहतर प्रतिशत लोकतंत्र को मजबूत करेगा।

इस मौके पर सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) के डीआइजी अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि मतदान को लेकर जागरूकता आवश्यक है। लोगों को चाहिए कि वे अपने कर्तव्य का निर्वहन करें। इससे लोकतंत्र और सशक्त होगा और लोग बेहतर जनप्रतिनिधि का चयन कर सकेंगे। दैनिक जागरण के स्थानीय संपादक, झारखंड प्रदीप शुक्ला ने सभी अतिथियों को इस जागरूकता कार्यक्रम की मूल भावना से अवगत कराया।

पीएम के हेलीकॉप्टर की जांच करने वाले निलंबित पर्यवेक्षक को कर्नाटक भेजा

नई दिल्ली, प्रेट्र : गत मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ओडिशा के संभलपुर में रैली को संबोधित करने गए थे। यहां तैनात पर्यवेक्षक मुहम्मद मोहसिन ने एसपीजी सुरक्षा के मानदंडों का उल्लंघन करते हुए पीएम के साथ चल रहे काफिले के सामान की जांच करने की कोशिश की थी। शिकायत पर पर्यवेक्षक को निलंबित कर दिया गया था। अब चुनाव आयोग ने मोहसिन को उनके गृह राज्य कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय से संबद्ध कर दिया है। हालांकि वह अभी भी निलंबित हैं। मोहसिन 1996 बैच के कर्नाटक कैडर के आइएएस अधिकारी हैं।

इस वजह से की गई थी कार्रवाई : आयोग ने मंगलवार को एक आदेश जारी कर कहा था कि संभलपुर में तैनात पर्यवेक्षक मुहम्मद मोहसिन ने चुनाव आयोग के मौजूदा निर्देशों का उल्लंघन किया है, जिसके चलते उन पर कार्रवाई की गई है। आयोग ने कहा कि पीएम सहित एसपीजी सुरक्षाकर्मियों को जांच से छूट देने का आदेश अप्रैल 2014 में जारी किया गया था। मोहसिन को पर्यवेक्षक होने के नाते इसकी जानकारी होनी चाहिए। अपने कर्तव्यों का ठीक तरह से पालन नहीं करने के चलते उन्हें निलंबित किया गया है। इस घटना के बाद मुहम्मद मोहसिन को संभलपुर मुख्यालय से संबद्ध कर दिया गया था।

मेरे रहते आरक्षण पर कोई आंच नहीं आने वाली

चुनावी दंगल ▶ प्रधानमंत्री ने कहा– जब तक मोदी है, आपकी जमीन को कोई हाथ भी नहीं लगा सकता

बोले–जो पैसा चौकीदार ने आपके लिए भेजा वो भी कांग्रेस ने लूट लिया

ओमप्रकाश तिवारी, मुंबई

प्रचार के रंग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आरक्षण का लाभ ले रहे वर्गों को आश्वस्त करते हुए सोमवार को कहा कि उनके रहते बाबा साहब आंबेडकर के दिए आरक्षण पर कभी कोई आंच नहीं आने वाली। उन्होंने यह बात महाराष्ट्र में चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए कही।

जनजातियों के लिए आरक्षित क्षेत्रों में अपनी चुनावी सभाओं में प्रधानमंत्री ने मुख्यतः जनजातीय समाज के लिए अपनी सरकार द्वारा किए गए कामों की जानकारी दी। साथ ही कांग्रेस और अन्य दलों द्वारा उनकी सरकार के बारे में फैलाए जा रहे भ्रम को भी दूर करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि जब तक मोदी है, तब तक बाबा साहब आंबेडकर के दिए आरक्षण पर कोई आंच आने वाली नहीं है। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जब तक मोदी है, आपकी जमीन पर भी कोई आंच नहीं आ सकती। बता दें कि महाराष्ट्र में वनाधिकार कानून को लेकर यहां के जनजातीय समाज में काफी असंतोष रहा है। पिछले वर्ष अपनी मांगों को लेकर आदिवासी समाज के लोग 250 किलोमीटर पैदल चलकर मुंबई पहुंचे थे। जहां उनकी मांगें मानकर फड़नवीस सरकार ने वनाधिकार कानून को अमल में लाने की शुरुआत करवा दी है। जबकि संप्रग सरकार के कार्यकाल में यह काम रुका हुआ था। मोदी ने कांग्रेस की ओर इशारा करते हुए कहा कि कोई 'पंजा' आपकी जमीन पर हाथ नहीं लगा सकता।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को राजस्थान के उदयपुर में चुनावी रैली को संबोधित किया। इस मौके पर उन्हें धनुष–तीर भेंट किया गया। नईदुनिया

भारत अब आतंकवाद मुक्त

श्रीलंका पर हुए आतंकी हमले का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने दावा किया कि जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों को छोड़कर भारत अब आतंकवाद मुक्त हो गया है। उन्होंने लोगों से सवाल किया कि 2014 से पहले भारत की क्या स्थिति थी? 2014 से पहले तक यहां भी कभी मुंबई, कभी पुणे, कभी हैदराबाद, कभी अयोध्या, कभी काशी में विस्फोट होते थे। तब सत्ता में बैठे कांग्रेस के लोग शोक मनाते थे और श्रद्धांजलि सभाएं करते थे। जबकि आपके इस चौकीदार ने आतंकियों की फैक्ट्री में घुसकर उनका सफाया किया है। अब आतंकी जान गए हैं, यह मोदी है। उन्हें पाताल से भी खोजकर खत्म कर देगा।

बच्चों और प्रसूता माताओं का हक मार रही मप्र सरकार : प्रधानमंत्री ने कहा कि एक तरफ हम आपके कुपोषण को मिटाने में जुटे हुए हैं, वहीं पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश में 15 साल बाद बनी कांग्रेस सरकार बच्चों और प्रसूता माताओं के लिए केंद्र द्वारा भेजा गया पैसा हजम करने में लगी है। उन्होंने कहा कि जो पैसा आपके इस चौकीदार ने गरीब बच्चों और प्रसूता माताओं के पेट के लिए भेजा था, कांग्रेस की सरकार ने वो पैसे भी लूट लिए हैं, उसकी चोरी कर ली है। 15 दिन पहले ही इनके घरों में से बोरे भर-भरकर नोट निकलते दिखाई दिए हैं। कांग्रेस ने आदिवासी बच्चों के भोजन का पैसा भी नामदारों के चुनाव प्रचार में लगा दिया है। मोदी ने कहा कि अब चूंकि चौकीदार ने उनकी यह चोरी पकड़ ली है, इसलिए अब वह लगातार हमें गाली देने में जुटे हैं।

पहले 50 गालियां देते थे अब 100 देते हैं : प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले दो चरण के चुनावों में मुझे गाली देने वालों की जमीन खिसकती नजर आ रही है। इसलिए पहले जहां वे हमें 50 गालियां देते थे, अब 100 गालियां देने लगे हैं। मोदी ने कहा कि 2014 के चुनाव से पहले मेरी विदेश नीति के ज्ञान पर शंका उठाने वालों से मैंने कहा था कि मैं न आंख झुकाकर बात करूंगा, न आंख उठाकर बात करूंगा। मैं सबसे आंख मिलाकर बात करूंगा। तब लोगों को लगा था कि मैं डायलॉग मार रहा हूं। लेकिन सच्चाई आज आपके सामने है।

कुमारस्वामी पर बरसे : मोदी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस ने कर्नाटक में जिसे मुख्यमंत्री बनाया है, वह मुख्यमंत्री कह रहा है कि सेना में तो वही जाता है जो गरीब है, भूखा मरता है, जिसके पास कमाई का कोई साधन नहीं है। मोदी ने कहा, जो सेना में जाता है, वह देश पर मरने-मिटने के लिए जाता है। ये कैसी भाषा बोल रहे हैं। मेरे इतने आदिवासी बच्चे जो फौज में हैं, वे मरने-मारने पर तुले होते हैं। वे भूख की वजह से नहीं, देश की रक्षा करने के लिए सेना में भर्ती होते हैं। महाराष्ट्र वीरों की भूमि है। फौज में महाराष्ट्र के लोग बड़ी संख्या में हैं। तिरंगे में लिपटकर हमारे जो शहीद आते हैं, उनमें महाराष्ट्र का कोई न कोई जरूर होता है। और ये कहते हैं कि वे भिखमंगे हैं इसलिए गए हैं। जिन्होंने उन्हें मुख्यमंत्री बनाया है, वे माफी मांगने को तैयार नहीं हैं। मोदी ने कहा कि ये अपमान अब आपका है। इस अपमान को आप कभी मत भूलिएगा।

देश से धोखाधड़ी की तो नामदारों के मिशेल मामा की तरह खींच लाएंगे

जागरण संवाददाता, जयपुर : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को राजस्थान के उदयपुर और जोधपुर में चुनावी सभाओं को संबोधित किया। उदयपुर में उन्होंने कहा कि जो भी देश से गद्दारी व धोखाधड़ी कर विदेश भाग जाएगा, उसे हम नामदारों के मिशेल मामा की तरह खींचकर भारत ले जाएंगे।

मोदी ने कहा कि देश की रक्षा की बात इसी चुनाव में नहीं, बल्कि हर चुनाव में होनी चाहिए। उन्होंने कांग्रेस और उसके गठबंधन पर तंज करते हुए कहा कि वह देश के सपूतों के शौर्य का जवाब मांगते हैं। जनता ने उन्हें लोकसभा चुनाव के दो चरणों में जवाब दे दिया है। अगले चरणों में जनता जवाब के लिए तैयार हैं, इसलिए उनके मुंह सिल गए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा और एनडीए ने यह दिखा दिया है कि इस देश में ईमानदार सरकार चलाना संभव है। जो धनवान बैंकों का पैसा नहीं लौटा रहा है, वह चैन की नींद भी नहीं सो पा रहा है। हमारी सरकार ने बैंकों का हजारों करोड़ हड़पने वालों को सजा दिलाई। पहले की सरकारों ने अरबपति मित्रों को फोन बैंकिंग के जरिये कर्ज दिला दिया। उन्होंने मुद्रा बैंकिंग, श्रमिक पेंशन आदि के बारे में भी बताया।

प्रधानमंत्री ने उदयपुर स्थित गौरव केंद्र का जिक्र करते हुए कहा कि जिस तरह महाराणा प्रताप के सहयोगी भीलू राणा और उसके सैनिकों ने सर्जिकल स्ट्राइक की थी, हम भी उसी परंपरा के हैं। किसी को आगे से छेड़ते नहीं और जो छेड़े तो उसे छोड़ते नहीं। हमें महाराणा प्रताप की तरह घास की रोटी खाना मंजूर है, लेकिन आत्म सम्मान से समझौता नहीं। आतंकवाद पर मोदी प्रहार कर रहा है। घर में घुसकर मारता है। बीते पांच साल में भारत के पासपोर्ट की ताकत बढ़ी है।

भोपाल में नामांकन के दौरान साध्वी प्रज्ञा ने आय का जरिया बताया भिक्षा

नईदुनिया, भोपाल

भोपाल से भाजपा प्रत्याशी साध्वी प्रज्ञा ठाकुर ने सोमवार को अमृत मुहूर्त में मंत्रोच्चार के साथ अपना नामांकन दाखिल कर दिया। ठीक 12 बजकर 37 मिनट पर वह नामांकन दाखिल करने के लिए कलेक्ट्रेट पहुंचीं। साध्वी ने शपथ पत्र में आय का स्रोत भिक्षाटन और समाज पर निर्भर होना बताया है।

शपथपत्र के अनुसार उनके पास 4,44,224 रुपये की संपत्ति है। इसमें 2,54,400 रुपये के जेवरात हैं। साध्वी के पास 1,14,000 रुपये की सोने की चैन, लॉकेट, अंगूठी और सप्तधातु का सुमेरनी (माला) है। वहीं, 1,40,400 रुपये के चांदी का कमंडल, कटोरी, प्लेट, लोटा, अंगूठे की रिंग, कड़े और राम नाम की ईंट है। इसके अलावा 90 हजार रुपये नकद और बैरागढ़ स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के दो खातों में 99 हजार 824 रुपये जमा हैं।

साध्वी प्रज्ञा ने सोमवार को नामांकन दाखिल करने तक मौन व्रत रखा था। नामांकन के बाद उन्होंने अपना मौन तोड़ा। प्रस्तावक के तौर पर उमाशंकर गुप्ता और पूर्व सांसद आलोक संजर मौजूद रहे। साध्वी प्रज्ञा मंगलवार को बड़ी रैली के साथ एक बार फिर नामांकन फॉर्म जमा करेंगी। मंगलवार को भवानी चौक से कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली जाएगी। साध्वी ने शपथ पत्र में बताया है कि उनके ऊपर हत्या, हत्या के प्रयास और कथित आतंकवादी कृत्य के मामले दर्ज हैं। उनके खिलाफ आजाद नगर पुलिस थाना मालेगांव जिला नासिक (महाराष्ट्र) में 2008 में एफआइआर दर्ज हुई थी। स्पेशल एनआइए न्यायालय मुंबई में केस चला। धारा 18 अन लॉ फुल एक्टिविटीज एक्ट 1967 एवं सहपाठित धारा 120 बी के तहत कथित हत्या, हत्या का प्रयास एवं आतंकवादी कृत्य के तहत मामला दर्ज किया गया था। साध्वी के मुताबिक किसी भी मामले में उन पर दोष सिद्ध नहीं हुआ है।

नामांकन जमा करके कलेक्ट्रेट से बाहर निकलतीं साध्वी प्रज्ञा।

- भाजपा प्रत्याशी ने अमृत मुहूर्त में दाखिल किया नामांकन
- कुल 4,44,224 रुपये की संपत्ति, जेवरात के साथ ही बैंक में जमा है नकदी

उम्र को लेकर विवाद : साध्वी की उम्र को लेकर भी विवाद छिड़ गया है। उन्होंने अपनी उम्र शपथ पत्र में 49 साल बताई है, जबकि सोशल मीडिया पर एक दस्तावेज वायरल हो रहा है, इसमें 2016 में मुंबई हाई कोर्ट में दाखिल जमानत अर्जी में उन्होंने उम्र 44 साल बताई है।

हेमंत करकरे के संबंधी ने की प्रज्ञा सिंह ठाकुर की आलोचना

मुंबई, प्रेट्र : महाराष्ट्र एटीएस के दिवंगत प्रमुख हेमंत करकरे के संबंधी ने सोमवार को भाजपा नेता प्रज्ञा सिंह ठाकुर की उनकी टिप्पणियों के लिए आलोचना की। उन्होंने कहा कि प्रज्ञा सिंह ठाकुर को भाजपा का टिकट नहीं दिया जाना चाहिए था। वह भोपाल से भाजपा प्रत्याशी हैं।

हाल ही में प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने दावा किया था कि 26/11 के मुंबई आतंकी हमले के दौरान करकरे इसलिए मारे गए क्योंकि उन्होंने यातना देने के कारण करकरे को शाप दिया था। एटीएस प्रमुख होने के कारण करकरे ने ही मालेगांव विस्फोट मामले की जांच की थी जिसमें साध्वी प्रज्ञा आरोपित हैं। पत्रकारों से बातचीत में दिवंगत करकरे की पत्नी के भाई किरण देव ने कहा कि पुलिस अधिकारी की मौत पर राजनीति से वह बेहद व्यथित हैं। गैरजिम्मेदाराना बयान देकर किसी को भी शहीदों का अपमान नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हेमंत करकरे सहृदय व्यक्ति थे और हर किसी से सम्मान के साथ बात करते थे। उनके जैसा व्यक्ति किसी साध्वी को यातना नहीं दे सकता था।

साध्वी प्रज्ञा के बचाव में आगे आए योग गुरु बाबा रामदेव

जागरण संवाददाता, हरिद्वार

- बोले, शहीद करकरे पर दिए उनके बयान को सिर्फ आज के संदर्भ में ही न देखें
- साध्वी ने मात्र शक के आधार पर भोगा नौ वर्ष का कठोर कारावास

योग गुरु बाबा रामदेव ने मुंबई आतंकी हमले में शहीद पुलिस अफसर हेमंत करकरे को लेकर दिए गए बयान पर साध्वी प्रज्ञा का बचाव किया। उन्होंने कहा कि उनके बयान को आज के संदर्भ में ही नहीं देखा जाना चाहिए। साध्वी के पक्ष पर भी गौर करने की जरूरत है। बाबा ने कहा कि साध्वी ने मात्र शक के आधार पर नौ वर्ष का कठोर कारावास भोगा। उसका भी संज्ञान लिया जाना चाहिए।

सोमवार को हरिद्वार में एक कार्यक्रम में शिरकत के बाद पत्रकारों से बातचीत में योग गुरु बाबा रामदेव ने कहा कि वह किसी दल विशेष की नहीं, बल्कि सर्वदलीय हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में देश को तमाम तरह की राजनीतिक, आर्थिक और धार्मिक चुनौतियां का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि देश 2040 तक इन चुनौतियों से पार पाकर विश्व का सिरमौर राष्ट्र बन जाएगा। उन्होंने कहा कि आज राष्ट्र और राष्ट्रीयता के साथ आतंकवाद बड़ा मुद्दा है। पतंजलि योगपीठ देश में राष्ट्रवाद का अलख जगा रहा है। उन्होंने कहा कोशिश है कि आचार्यकुलम, वैदिक शिक्षा और पतंजलि विवि के सम्मिलित प्रयासों से देश की भावी पीढ़ी को 25 साल बाद सर्वश्रेष्ठ राजनैतिक नेतृत्व मिले। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने दुनिया को आतंक का रास्ता दिखाया, लेकिन भारत ने दुनिया को कई महत्वपूर्ण आयामों के साथ-साथ योग के जरिये स्वस्थ रहने का मार्ग भी दिया है।

आयुर्वेद को विश्वस्तर अलग पहचान दिलाना लक्ष्य : योगगुरु बाबा रामदेव ने कहा कि योग को विश्व में पहचान मिल चुकी है। अब उनका लक्ष्य आयुर्वेद को दुनिया में चिकित्सा विज्ञान और श्रेष्ठ औषधि के तौर पहचान दिलाना है। उन्होंने कहा कि वैदिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान को लेकर आयुर्वेदिक दवाओं और इलाज की खोज का उनका और आचार्य बालकृष्ण का अभियान जारी है। इसके लिए पांच सौ से अधिक वैज्ञानिक लगातार अनुसंधान का काम कर रहे हैं।

विवादित ढांचे के बयान पर साध्वी प्रज्ञा के खिलाफ एफआइआर दर्ज

नईदुनिया, भोपाल : भोपाल से भाजपा प्रत्याशी साध्वी प्रज्ञा ठाकुर की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। अयोध्या में विवादित ढांचा ढहाने के उनके बयान पर जिला निर्वाचन अधिकारी ने उन्हें आचार संहिता के उल्लंघन का नोटिस देकर जवाब मांगा था। प्रज्ञा ने सोमवार को अपना जवाब पेश किया। जवाब से असंतुष्ट कलेक्टर ने साध्वी प्रज्ञा के खिलाफ एफआइआर दर्ज करा दी है।

बोलीं-मेरा बयान अंतरआत्मा की आवाज

साध्वी प्रज्ञा ने अपने जवाब में निर्वाचन आयोग की मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति (एमसीएमसी) के संज्ञान लेने के अधिकार पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रज्ञा ने अपने जवाब में कहा है कि जब मैंने नामांकन दाखिल ही नहीं किया तो मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति मेरे बयानों के संबंध में संज्ञान लेने के लिए अधिकृत नहीं है। मैंने जो भी कहा, वह मेरी अंतरआत्मा की आवाज को व्यक्त करता है। इसलिए यह नोटिस इसी स्तर पर समाप्त किया जाए। इस जवाब से असंतुष्ट जिला निर्वाचन अधिकारी ने कमला नगर थाने में आचार संहिता का उल्लंघन करने पर प्रज्ञा पर एफआइआर दर्ज करा दी है।

इधर उधर

दिल्ली में राहुल गांधी की मौजूदगी में थामा कांग्रेस का हाथ, अमित शाह, जयराम और धूमल के मनाने के बाद भी छोड़ी भाजपा

हिमाचल में नहीं माने चंदेल, थामा कांग्रेस का दामन

राज्य ब्यूरो, शिमला

हिमाचल प्रदेश में लोकसभा चुनाव का टिकट न मिलने से भाजपा से नाराज चल रहे पूर्व सांसद सुरेश चंदेल ने आखिरकार सोमवार को कांग्रेस का दामन थाम लिया है। उन्होंने नई दिल्ली में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इससे पहले भाजपा में सभी पदों से इस्तीफा दे दिया।

विधानसभा चुनाव में टिकट न देने के बाद सरकार बनने पर भी चंदेल को कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई थी। लोकसभा चुनाव में भी उन्होंने टिकट की दावेदारी जताई, लेकिन पार्टी ने मौजूदा सांसद अनुराग ठाकुर पर भरोसा जताते हुए उनके नाम पर मुहर लगाई। चंदेल का का तर्क था कि अनुराग ठाकुर के खिलाफ जनता में नाराजगी है, ऐसे में टिकट बदलना उचित रहेगा। इसके बाद से ही वह नाराज चल रहे थे। हालांकि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह, मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल ने भी चंदेल को मनाने की कोशिश की, लेकिन प्रयास बेनतीजा रहे।

पूर्व सांसद सुरेश चंदेल सोमवार को नई दिल्ली में राहुल गांधी की मौजूदगी में कांग्रेस में शामिल हुए। प्रेट्र

सोमवार को पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात कर सुरेश चंदेल कांग्रेस में शामिल हुए। इस दौरान उनका बेटा विनेश चंदेल, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी रजनी पाटिल और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कुलदीप सिंह राठौर मौजूद थे।

बदल सकते हैं समीकरण : हमीरपुर संसदीय सीट पर मुकाबला अनुराग ठाकुर और कांग्रेस के रामलाल ठाकुर के बीच है। चंदेल के पाला बदलने से बिलासपुर जिले में राजनीतिक समीकरण बदल सकते हैं।

ऑपरेशन दुर्योधन में फंसे थे : लोकसभा चुनाव के बाद सुरेश चंदेल को कांग्रेस में बड़ी जिम्मेदारी मिलने की संभावना बढ़ गई है। पैसे लेकर सवाल पूछने (ऑपरेशन दुर्योधन) में फंसे सुरेश चंदेल तीन बार हमीरपुर सीट से लोकसभा सदस्य रहे हैं। वहीं, ऑपरेशन दुर्योधन में फंसने के बाद उन्हें लोकसभा की सदस्यता से हाथ धोना पड़ा था।

कभी थे भाजपा के युवा तुर्क : सुरेश चंदेल कभी प्रदेश भाजपा के युवा तुर्कों में शुमार रह चुके हैं। विद्यार्थी परिषद पृष्ठभूमि के चंदेल 1988-98 तक भाजपा के संगठन मंत्री रहे। इसके बाद 1998 से 2000 तक वह प्रदेश भाजपा अध्यक्ष की कुर्सी पर काबिज रहे। चंदेल 1998,1999 और 2004 में हमीरपुर संसदीय सीट से भाजपा के सांसद रहे। 2005 में संसद में सवाल पूछने के एवज में पैसे लेने के आरोपों के चलते उनकी सदस्यता चली गई। उसके बाद भाजपा ने 2012 के विधानसभा चुनाव में उन्हें बिलासपुर सीट से उतारा पर कांग्रेस के बंबर ठाकुर से करीब 5,141 मतों से हार झेलनी पड़ी।

तमिलनाडु की सभी सीटों पर चुनाव खर्च सबसे ज्यादा!

नई दिल्ली, प्रेट्र : लोकसभा चुनाव में तमिलनाडु में मतदाताओं को बड़े पैमाने पर रुपये बांटे जाने की शिकायत से संबंधित याचिका सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को खारिज कर दी। शीर्ष न्यायालय ने कहा, तमिलनाडु में मतदान हो चुका है, इसलिए अब इस याचिका की सुनवाई से कोई मकसद पूरा नहीं होने वाला। हालांकि मुख्य न्यायाधीश जस्टिस रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, याचिका में जो मुद्दा उठाया गया है, उस पर उचित समय पर ध्यान दिया जाएगा। एक अन्य याचिका की सुनवाई करते हुए शीर्ष न्यायालय ने चुनाव आयोग से धन के देन-लेन को अवैध ठहराने वाले प्रचार के बारे में जानकारी मांगी है। तमिलनाडु की सीटों पर चुनाव खर्च सबसे ज्यादा होने की सूचना पर सुप्रीम कोर्ट ने यह जानकारी मांगी है।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें चुनाव में धन के देने या लेने को दंडनीय अपराध बताने वाली सूचना का प्रचार करने के बारे में जानकारी मांगी गई है। यह प्रचार टीवी, रेडियो और समाचार पत्रों के माध्यम से करना है। याचिका में बताया गया है कि तमिलनाडु में चुनाव के दौरान कुल 78.12 करोड़ रुपये की नकद धनराशि जब्त की गई।

- मतदाताओं को रुपये बांटे जाने की शिकायत वाली अर्जी खारिज की

याचिका में बताया गया है कि चुनाव आयोग ने तमिलनाडु और पुडुचेरी की 40 लोकसभा सीटों को देश में सर्वाधिक चुनाव खर्च वाली क्षेत्रों में रखा है। इसके अतिरिक्त देश की 70 लोकसभा सीटें और हैं जहां पर प्रचार और अन्य मदों पर ज्यादा धन खर्च किया जा रहा है। पीठ में शामिल जस्टिस दीपक गुप्ता और जस्टिस संजीव खन्ना सुनवाई में शामिल थे।